हिंदी

वार्षिक परीक्षा (2021-2022)

अंक विभाजन तथा उत्तर संकेत

निर्देश : यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा हो, परन्तु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्र.सं.	उत्तर संकेत	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
	खंड-'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)		
	(अपठित गद्यांश-10 अंक)		
1.	**गद्यांश-1**		
	1. (ग) वेदों तथा पुराणों का प्रसार करने के कारण	1	
	2. (ग) ज्ञान, विज्ञान और धर्म का प्रणेता	1	
	3. (क) कर्म करो, फल की चिंता मत करो	1	
	4. (घ) प्राकृतिक सौंदर्य	1	
	5. (क) अनेकता में एकता	1	
	अथवा		
	गद्यांश-2		
	1. (घ) उद्योगों का विस्तार	1	
	2. (क) साँस लेने में दिक्कत	1	
	3. (ख) प्राणियों के सुखी जीवन का आधार	1	
	4. (क) विकास की अंधी दौड़	1	
	5. (ग) पर्यावरण का महत्त्व	1	5

2.	**गद्यांश-1**		
	1. (ख) खेतों में कीड़े-मकोड़े से रक्षा करने के कारण	1	
	2. (घ) गोरैया	1	
	3. (क) पक्षियों का आश्रय छीन लिया	1	
	4. (ग) पशु-पक्षियों को बराबरी का अधिकार दें	1	
	5. (ख) पशु-पक्षियों की रक्षा का	1	
	अथवा		
	गद्यांश-2		
	1. (क) लेखक की भूतकाल की परिस्थितियों का	1	
	2. (ग) जीवन कथा में कोई तत्व नहीं था	1	
	3. (क) अव्यवस्थित चित्त मनुष्य	1	
	4. (ग) मित्रों ने	1	
	5. (घ) इंडियन प्रेस द्वारा प्रदत्त कार्य	1	5
	व्यावहारिक व्याकरण (20 अंक)		
3.	(i) (घ) पंछी, चाँद	1	
	(ii) (ख) कर्ज़	1	
	(iii) (ग) कृषक	1	3
4.	(i) (ख) अजय	1	
	(ii) (ग) ईला	1	2
5.	(क) निद्रा व नींद	1	1

6.	(i)	(ख)	मानव, मनुज, नर	1	
	(ii)	(ग)	अपयश	1	
	(iii)	(क)	कथनीय	1	3
7.	(i)	(घ)	महा + औषध	1	
	(ii)	(क)	सद्‌गति	1	2
8.	(i)	(क)	प्रयोगशाला – तत्पुरुष	1	
	(ii)	(ग)	तीन लोकों का समूह – द्विगु समास	1	2
9.	(i)	(ख)	मिश्रित वाक्य	1	
	(ii)	(ग)	विधानवाचक वाक्य	1	2
10.	(i)	(ग)	आकाश में अनेक पक्षी उड़ रहे हैं।	1	
	(ii)	(घ)	कल्पना की प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई 'टैगोर बाल निकेतन' में हुई।	1	
	(iii)	(क)	गद्‌गद् होना	1	3
11.	(i)	(ग)	यमक अलंकार	1	
	(ii)	(ख)	उत्प्रेक्षा	1	2
			(पाठ्यपुस्तक-14 अंक)		
12.	(1)	(क)	निर्माण का सुख	1	
	(2)	(घ)	नव गान	1	
	(3)	(ख)	निरंतर प्रयास	1	
	(4)	(घ)	स्नेह	1	4

13.	(1) (ग) दारा	1	
	(2) (ख) भ्रष्टाचार व अराजकता का शासन	1	
	(3) (घ) बुद्धिमान, ईमानदार और समझदार	1	
	(4) (क) उत्तरी प्रांत के हालात में सुधार	1	
	(5) (ख) न्यायप्रिय था	1	5
14.	(1) (ख) ईर्ष्यालु व्यक्ति बुरे किस्म का निंदक भी होता है	1	
	(2) (क) दूसरों की नज़रों में ऊँचा उठने के लिए	1	
	(3) (ग) सद्‌गुणों का ह्रास	1	
	(4) (घ) चरित्र को निर्मल बनाकर	1	
	(5) (ख) गलत	1	5
	खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		
	(पाठ्यपुस्तक-16 अंक)		
15.	(कोई तीन)		
	(क) • हिंदुस्तानी प्रचार सभा • कुर्सी व तिपाई मँगवाई। • मिट्‌टी का कसोरा रखा।	2	
	(ख) • करुण स्वर में मनुष्य को पुकारना। • मनुष्य से आकुल उड़ान में विघ्न न डालने का निवेदन करना। • पक्षी की उन्मुक्त गगन में उड़ने व अरमान पूरे करने की अभिलाषा।	2	
	(ग) • कृष्ण का यशोदा मैया से शिकायत करना। • बार-बार दूध पीने पर भी चोटी छोटी है। • बलराम भैया की चोटी जैसी लंबी और मोटी नहीं है।	2	

	(घ) • लगन व जुझारू प्रवृत्ति। • असफलताओं से न घबराना। • निश्चित लक्ष्य तक पहुँचने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना। • रूढ़ियों को तोड़ने का साहस रखना। • दृढ़ संकल्प व आत्मविश्वास से कार्य करना। (किन्हीं दो गुणों का उल्लेख)	2	6
16.	(कोई दो)		
	(क) राजेश्वरी का अपने पति जीवनलाल को समझाना– • जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए तुम दूसरों से चाहते हो, वही दूसरे की बेटी को भी दो। • बहू और बेटी को एक समान मानने में ही सच्ची सुख-शांति। • हर बेटे वाला यह याद रखे कि वह बेटी वाला भी है।	3	
	(ख) • लेखिका फ्लोरा के बद्रीनाथ जाने के उपरांत अकेलेपन में उन्मुक्त विचरण करना। • खाद्य और स्वाद प्राप्त करने वाले इच्छुक व्यक्तियों से रक्षा हेतु माली द्वारा रस्सी से बाँधना आरम्भ। • स्तब्धता की स्थिति में बंधन की सीमा भूलकर ऊँचाई तक उछलना, रस्सी के कसाव के कारण साँस रुकना व मृत्यु होना।	3	
	(ग) • सज्जन मुक्ताहार के समान। • सज्जन व्यक्ति की संगत मुक्ताहार के समान बहुमूल्य व दुर्लभ। • रूठे सज्जन को बार-बार मना लेने में ही भलाई।	3	6
17.	• सरकारी तंत्र में फैले भ्रष्टाचार पर। • उचित थी। • विद्युत मण्डल में दरख्वास्त देना, विभिन्न सरकारी विभागों से अनुमति लेने जाना। (विद्युत विभाग, पटवारी, वन विभाग, खनिज विभाग आदि) (विद्यार्थी द्वारा दिए गए उचित तर्क भी स्वीकार्य)		
	अथवा	4	

	• लेखक का अपने ऊपर झुंझलना सर्वथा अनुचित। • श्रीधर से अपनी तुलना करते हुए स्वयं को हीन समझना झुंझलाहट का कारण। सर्वांगीण विकास के समुचित अवसर न मिलने के कारण आत्मविश्वास का गिरना। आत्मविश्वास बढ़ाए व बनाए रखने के उपाय– • सकारात्मक सोच का विकास आवश्यक। • सकारात्मक प्रतिद्वंद्विता का भाव होना। • क्रोध, ईर्ष्या, जलन इत्यादि नकारात्मक भावों से बचना। • अपने मन की भावनाओं को अभिव्यक्त करना आवश्यक। • आयु के अनुसार रुचियों का विस्तार। (विद्यार्थी द्वारा दिए गए अन्य उचित तर्क भी स्वीकार्य)		4
	(लेखन-20 अंक)		
18.	अनुच्छेद लेखन		
	• भूमिका	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
19.	पत्र लेखन (औपचारिक / अनौपचारिक)		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	2	
	• विषय-वस्तु	2	
	• भाषायी शुद्धता	1	5

20.	संवाद लेखन		
	• विषय-वस्तु / अभिव्यक्ति	3	
	• संवादों की क्रमबद्धता	1	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
21.	सूचना-लेखन		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5